

महोत्सव के गौरवशाली प्रमुख पात्र

भगवान के माता पिता



श्री रमेशचंद्रजी-प्रभाजी जैन
ईशान इन्द्र

सौधर्म इन्द्र



श्री प्रयंक-शालिनी जैन
सनत इन्द्र

धनपति कुबेर



श्री गौरव-पारुल शाह, मुंबई
माहेन्द्र इन्द्र

महायज्ञनायक



श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन
ब्रह्म इन्द्र

राजा श्रेयांश



इंजी. आनंद-कल्पना जैन
ब्रह्मोत्तर इन्द्र

राजा सोम



श्री अशोककुमार-शोभा जैन
तान्तव इन्द्र

भरत



श्री पुलकित-शिफा जैन
आणत इन्द्र

बाहुबली



श्री नीलेश-नीतू जैन
कापिष्ठ इन्द्र

ध्वजारोहणकर्ता



डॉ. रुपेश-रानी मोदी
प्राणत इन्द्र



श्री राजेश-सुनीता जैन
आरण इन्द्र



श्री घनश्याम-अंजना जैन
शुक इन्द्र



श्री नवीन-चंदा पंचरत्न
महाशुक इन्द्र



श्री महेन्द्र कुमार-चंदा जैन
शतार इन्द्र



श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन
सहस्रार इन्द्र



अजित-कल्पना जैन
अच्युत इन्द्र



डॉ. समीर-निर्मला जैन
महामंडलेश्वर



श्री अनिल-रजनी जैन
महामंडलेश्वर



श्री मांगीलाल-हेमंत जैन
महामंडलेश्वर



श्री प्रकाश-मंजुला जैन
महामंडलेश्वर



श्री अखिलेश-प्रीति जैन
वेदी व शिखर पुण्याजक



श्री सुगनचंद-उषा जैन
वात्सल्य भोज पुण्याजक



श्री अभय-रेखा जैन
वात्सल्य भोज पुण्याजक



श्री राकेश-साधना गोधा
वात्सल्य भोज पुण्याजक



श्री अंकुर-पल्लवी जैन
वात्सल्य भोज पुण्याजक



डॉ. शैलेन्द्र-डॉ. खुशबू जैन
वात्सल्य भोज पुण्याजक



श्री अशश्री-रोजेश-संगीता जैन
वात्सल्य भोज पुण्याजक



श्री नरेश-कल्पना जैन
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री नरेश-कल्पना जैन
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री रमेशचंद-प्रभा जैन, नरेश-कल्पना, प्रयंक-शालिनी, निर्वाणा होटल परिवार
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री आशीष-अकेश-अरविन्दकुमार जैन साइकिलवाला परिवार
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री महेन्द्र-जिनेन्द्र स्व. श्री हीरालाल जैन साइकिलवाला परिवार
द्वय सामग्री पुण्याजक



डॉ. प्रवेश-डॉ. टीनू जैन श्री प्रकाशचंद-मंजुला जैन
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री नितिन-प्रिया जैन डॉ. राजकुमार-पुष्पा जैन
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री धर्मन्द्र-संध्या जैन 'सिनकेम'
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्री अनिल-सुलोचना जैन मेडिकल वाले
द्वय सामग्री पुण्याजक



श्रीमती रतनमाला, मनोज-कल्पना, मुकेश-रश्मि, मोहित-मयरी बाकलीवाल परिवार
द्वय सामग्री पुण्याजक

मूर्ति पुण्याजक

भूमिपूजन कर्ता



इंजी. आनंदकुमार-कल्पना जैन श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन



श्रीमती रानी-डॉ. रुपेश मोदी परिवार

1008 श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कुमेड़ी में प्रतिमा विराजमानकर्ता परिवार



श्री चंदकुमार जैन श्री प्रयंक जैन श्रीमती कल्पना जैन डॉ. समीर जैन श्री राजेश जैन श्री राजेन्द्र जैन डॉ. रुपेश मोदी श्री अशोक जैन श्री गौरव जैन श्री शीलचंद जैन श्री नरेश जैन श्रीमति चंदा पंचरत्न

कार्यक्रम एक नजर -

- घटयात्रा - उल्लास दिवस - 8 मार्च 2023 बुधवार चैत्र कृष्ण 1
- गर्भ कल्याणक (पूर्व रूप) मंगल बीजारोपण - 9 मार्च 2023 गुरुवार चैत्र कृष्ण 2
- गर्भ कल्याणक (उत्तर रूप) आलौकिक क्रिया सत्यावतरण - 10 मार्च 2023 शुक्रवार चैत्र कृष्ण 3
- जन्म कल्याणक सत्योद्घाटन - 11 मार्च 2023 शनिवार चैत्र कृष्ण 4
- तप कल्याणक - सत्य तथ्य की ओर प्रस्थान - 12 मार्च 2023 रविवार चैत्र कृष्ण 5 (रंगपंचमी)
- ज्ञान कल्याणक - सत्य तथ्योपलब्धि - 13 मार्च 2023 सोमवार चैत्र कृष्ण 6
- मोक्ष कल्याणक - नगर शोभा यात्रा - 14 मार्च 2023 मंगलवार चैत्र कृष्ण 8

धर्म कार्य की ताली बजाकर अनुमोदना करने से दान का हिस्सा मिलता है

इंदौर में गोल्लारीय समाज द्वारा निर्मित 1008 श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के पंचकल्याणक महोत्सव के पात्रों का चयन सानंद संपन्न हुआ। सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य प.पू.मुनि श्री 108 विमलसागरजी महाराज, प.पू.मुनि श्री 108 अनंतसागरजी महाराज, प.पू. मुनि श्री 108 धर्मसागरजी महाराज एवं प.पू. मुनि श्री 108 भावसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में एवं प्रतिष्ठित चर. विनय भैयाजी बंडा के सानिध्य में एवं बा. ब्र. अनिल भैयाजी के निर्देशन में श्री महावीर भगवान दिगंबर जैन मंदिर उदासीन आश्रम इंदौर मे 8 से 14 मार्च 2023 को श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, भगवान आदिनाथ कालोनी, कुमेड़ी, होटल निर्वाणा के पास आयोजित होना है। पंचकल्याणक महामहोत्सव के लिए पात्रों का चयन 6 फरवरी को श्री 1008 महावीर दिगंबर जैन मंदिर, उदासीन आश्रम 56 दुकान के पास पलासिया में हुआ।

श्री जी व आचार्य श्री के चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन पश्चात उपस्थित श्रावकों द्वारा पूर्ण भक्ति भाव से आचार्य श्री जी की पूजन की गई व मुनि श्री का पाद प्रक्षालन उपस्थित धर्मप्रेमी समाजजनों द्वारा गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी के द्वारा भी कोई धर्म का कार्य होता है तो जो भी श्रावक यदि उस कार्य की ताली बजा कर अनुमोदना करता है तो उसे भी दान का हिस्सा मिलता है। आचार्य श्री ने 48 घंटे तक ध्यान किया है पहले, उँ मनोरथों को सिद्ध करने वाला है जिनको गुरुओं की सेवा करने का अवसर प्राप्त होता है वह सौभाग्यशाली होता है। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य श्रावक उपस्थित रहे।